

क्रमाधारण

EXTRAORDINARY

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

5 396]

नई बिल्ली, सोमवार, सितम्बर 4, 1972/भाव 13, 1894

o. 396)

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 4, 1972/BHADRA 13, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th September 1972

- S.O. 575(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 370 (5 of 1970), the Central Government, after consultation with the eserve Bank, hereby makes the following Scheme further to amend the ationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, smely:—
- 1, (1) This Scheme may be called the Nationalised Banks (Management and iscellaneous Provisions) (Second Amendment) Scheme, 1972,
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official azette.
- 2. After clause 19 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous rovisions) Scheme, 1970, the following Chapter and clause shall be inserted, amely,

"CHAPTER VI

Paid-up capital

- 20. Increase of paid-up capital.—Subject to the condition that the paid-up capital of a nationalised bank does not, in any case, exceed rupees fiften crores, the paid-up capital of any such bank may be increased, from time to time, as in sub-clause (a) or sub clause (b) below or both:—
 - (a) the Board of Directors of a nationalised bank may, after consultation with the Reserve Bank and with the previous sanction of the Central Government, transfer to its capital a specified amount from the reserve fund established by such bank under sub-section (6) of section 3 of the Act;
 - (b) the Central Government may, in consultation with the Reserve Bank, make contribution of any specified amount to the paid-up capital of a nationalised bank."

[No. F. 8/2/72-BOI]

D. N. GHOSH, Jt. Secy.

वित्त मंत्रासय

(बेंकिंग विभाग)

श्रिधस्चना

नई दिल्ला, 4 सिमम्बर, 1972

एस॰ श्री॰ 575(श्र).--वैककारी कम्पनी (उपक्रमों का श्रर्भन श्रीर श्रन्तरण) श्रिष्ठिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 9 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक, मे परामर्श के पश्चात्, राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 में श्रीर संशोधन करने के लिए एतव्दारा निम्नलिखन स्कीम बनाती है, श्रर्थात् :---

- 1. (1) इस स्कीम का नाम राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध) (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1972 होगा।
 - (2) यह स्कीम राजपत्न में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगी।
- 2. राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 19 के पण्चात् निम्निलिखत श्रष्ट्याय श्रीर खण्ड श्रन्तःस्थापित किए जाएंगे, श्रर्थातः—

''ग्रह्माम् ६

समावस्त पूर्जी

- 20. समावस पूंजी में वृद्धि:--इस मर्त के अधीन रहते हुए कि किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की समादस पूजी किसी भी दशा में पन्द्रह करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगी, किसी ऐसे बैंक समादत्त पूंजी में, नीचे के उपखंण्ड (क) या उपखण्ड (ख)या दोनों के अनुसार समय-समय पर वृद्धि की जा सकेगी:-
 - (क) किसी राष्ट्रीकृत बैंक का निदेशक बोर्ड, रिजर्व बैंक से परामर्श के पश्चास् श्रार केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, श्रिधिनियम की धारा 3 की उपधारा

- (6) के भ्रधीन ऐसे बैंक द्वारा स्थापित भ्रारक्षित निधि में से कोई विनिर्दिष्ट रकम उस बैंक की पूंजी में श्रंतरित कर सकेगा ।
- (ख) केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक से परामर्श के पश्चान्, किसी राष्ट्रीयकृत वैंक की समादत्त पूंजी में किसी विनिर्दिष्ट रकम का श्रभिदाय कर सकेगी।"

[सं० फा० 8/2/72-बी० ग्री० ग्राई०] डी० एन० घोष, संयुक्त सचिव।